IIMA PRESS RELEASE 2014-15

Enhanced student diversity with IIMA's PGP batch of 2014-16

IIMA, May 2, 2014: IIMA made some proactive changes to the recruitment and admissions process for 2014-2016 batch of Post Graduate Programme (PGP) in Management students with the objective of enhancing diversity of the entering student body without compromising on quality of admits.

IIMA's admissions process has two stages: the Common Admission Test (CAT), followed by Written Analysis and Personal Interview (WA-PI) of candidates shortlisted after the first stage.

In each category of candidates (General\NC-OBC\SC\ST\DA), minimum cutoffs for CAT-scores were applied to generate the list of candidates eligible for further consideration. Historically, a weighted average of CAT scores and prior academic performance has been used to generate a merit list of candidates invited for WA-PI. This year, this list was supplemented with CAT toppers (top 50 or 1% of candidates from the academic stream, whichever was lower) from five broad academic classifications to arrive at the set of candidates invited for WA-PI.

Written Analysis and Personal interview was conducted to form a holistic perspective on the candidates' eligibility for the PGP programme. WA-PI scores were based on not only academic performance and written analysis but also quality of interview, extra-curricular activities, awards, and work experience.

The selection process is described in more detail in
http://www.iimahd.ernet.in/users/admission/files/IIMAProfile_13.pdf .

Partly as a result of these changes, and partly with greater recruiting effort by IIMA in non-traditional areas, non-engineers constitute 11% of the students to whom offers have been made this year, compared to 5% or less of the entering classes being non-engineers in each of the past three years. Twenty eight percent of the offers, a record high, have been made to women applicants, compared to women constituting 11% to 22% of the entering classes in the past three years.

Prof. Ashish Nanda, Director IIMA observed, "Diversity of perspectives contributes greatly to the discussion-based learning that we employ at IIMA. Having a broader mix of participants without compromising on quality will enrich the academic experience of IIMA students even further. I want to congratulate the admissions committee for their meticulous planning, active recruitment, and untiring efforts to ensure we admit the best possible entering class to our PGP program. Thanks also to our students who come from all walks of life, varied disciplines, and different experience basis and, upon being selected, come together as a unified and integrated learning community."

आईआईएमए प्रेस विज्ञप्ति 2014-15

आईआईएमए के पीजीपी 2014-16 बैच के साथ बढ़ी छात्र विविधता

आईआईएमए, 2 मई, 2014 : आईआईएमए ने प्रवेश की गुणवत्ता पर कोई भी समझौता किये बगैर विविधता बढ़ाने के उद्देश्य के साथ नवांगतुक छात्रों के स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीपी) 2014-16 के बैच के लिए भर्ती और प्रवेश प्रक्रिया में कुछ सक्रीय परिवर्तन किए हैं।

आईआईएमए की प्रवेश प्रक्रिया के दो चरण हैं : सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट), उसके बाद लिखित विश्लेषण और प्रथम चरण में लघुसूचीबद्ध उम्मीदवारों का निजी साक्षात्कार (डब्ल्यूए-पीआई)।

प्रत्येक श्रेणी के उम्मीदवारों की प्रत्येक वर्ग के लिए निर्धारित (सामान्य/नॉनक्रीमी-अन्य पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/विकलांग), कैट स्कोर के न्यूनतम अंकों के अनुसार पात्र उम्मीदवारों की सूची तैयार की गई। ऐतिहासिक रूप से, कैट अंकों और पूर्व शैक्षिक प्रदर्शन के औषत को लिखित विश्लेषण-व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए आमंत्रित उम्मीदवारों की मैरिट सूची बनाने में महत्व दिया गया है। इस वर्ष, लिखित विश्लेषण-व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए आमंत्रित उम्मीदवारों के सेट बनाने के लिए पाँच व्यापक शैक्षिक वर्गीकरणों में से कैट टोपर्स के साथ इस सूची को जोड़ा गया था (शैक्षणिक धारा से शीर्ष 50 अथवा 1%, जो भी कम था)।

पीजीपी कार्यक्रम के लिए उम्मीदवारों की योग्यता पर समग्र दृष्टिकोण से लिखित विश्लेषण और निजी साक्षात्कार का आयोजन किया गया था। लिखित विश्लेषण-व्यक्तिगत साक्षात्कार के अंक ना केवल शैक्षिक प्रदर्शन और लिखित विश्लेषण पर आधारित थे अपितु साक्षात्कार की गुणवत्ता, पाठ्येतर गतिविधियों, पुरस्कारों, और कार्यानुभव पर भी आधारित थे।

इस चयन प्रक्रिया का अधिक ब्यौरा इस पी.डी.एफ़. में निरूपित है - http://www.iimahd.ernet.in/users/admission/files/IIMAProfile_13.pdf .

इन परिवर्तनों के परिणामस्वरूप, और आंशिक रूप से गैर-परम्परागत विषयों में आईआईएमए द्वारा अधिक से अधिक भर्ती के प्रयासों के कारण, पिछले तीन वर्षों के गैर-इंजीनियरों को दिये गए प्रवेश 5% अथवा कम की तुलना में इस वर्ष 11% गैर-इंजीनियरिंग छात्रों को प्रस्ताव किये गये। पिछले तीन वर्षों में महीला आवेदकों को की गई 11% से 22% प्रवेश पेशकश की तुलना में इस अट्ठाईस प्रतिशत, उच्चतम रिकॉर्ड के साथ, महिला आवेदकों को पेशकश की गई।

प्रोफ़ेसर आशीष नंदा, निदेशक, आईआईएमए ने बताया, "आईआईएमए में हम जिस दृष्टिकोण से नियुक्ति करते हैं उस परिप्रेक्ष्य में विविधता से चर्चा-आधारित शिक्षा में सर्वाधिक योगदान रहता है। गुणवत्ता के साथ समझौता किये बगैर प्रतिभागियों के एक व्यापक मिश्रण से आईआईएमए के छात्रों के अनुभवों को और भी अधिक समृद्धि मिलेगी। मैं प्रवेश समिति को पीजीपी कक्षा के लिए संभावित श्रेष्ठ छात्रों के प्रवेश को सुनिश्चित करने के लिए उनकी सावधानीपूर्वक बनाई योजना, सक्रिय भर्ती, और अथक प्रयासों के लिए बधाई देना चाहता हूँ। सभी क्षेत्रों से, विभिन्न विषयों, और विभिन्न कार्यानुभव आधार से आ रहे सभी छात्रों को धन्यवाद देता हूँ और उनके चयनित होने पर, एकीकृत समग्र शिक्षा समुदाय के रूप में एकत्र होने पर उनका धन्यवाद करता हूँ।"